चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.5.25	3	7-8

हकृवि और सीआइआरबी ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य • जागरण

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआइआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डा. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि हमें वर्तमान वैश्विक रुझानों के संदर्भ में उभरती कृषि आवश्यकताओं का अध्ययन करना चाहिए। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	8.5.25	4	6

दैनिक भास्कर

शिक्षा व अनुसंधान में शोध करेंगे हकृवि-सीआईआरबी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

दरअसल, एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। दोनों शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि की ओर से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.5.25	5	3-4

हकृवि और सीआईआरबी ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

• हिसार, 7 मई (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग तथा केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व रिसर्च एसोसिएट अर्पित तनेजा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.5.25	4	2-4

हकृवि और सी.आई.आर.बी. ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

हिसार, 7 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किएं हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है।इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियो ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। ज्ञात रहे कि हकृवि के सायना नेहवाल प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान से प्रशिक्षण संबंधी समझौता सीआईआरबी से पहले से है।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	8-5-25	11	1-5

एचएयू व केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के बीच समझौते पर हस्ताक्षर

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे दोनों संस्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके तहत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियो और वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में

हिसार। एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य

केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक के लिए शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मुंजाल आदि रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8.5.25	4	7-8

एचएयू और सीआईआरबी मिलकर करेंगे शोध

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके तहत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की उपस्थिति में सीआईआरबी से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि एचएयू से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा नें हस्ताक्षर किए। कुलपति ने बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक के लिए शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केंद्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	07.05.2025	--	--

हकृवि और केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

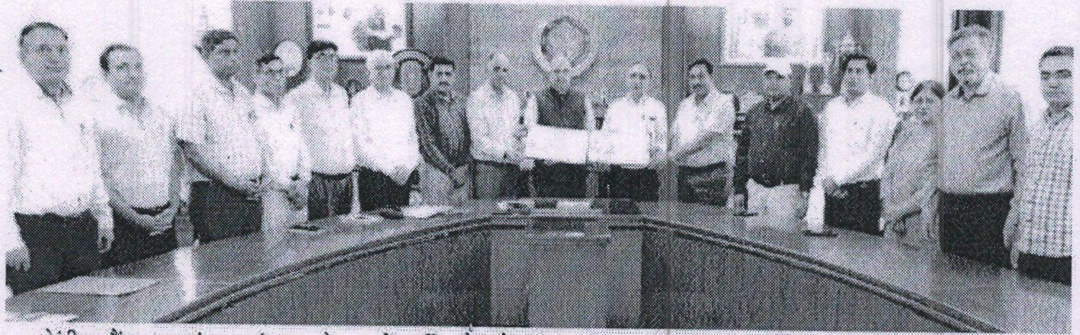

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियो ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मुंजाल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग तथा केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व रिसर्च एसोसिएट अर्पित तनेजा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	07.05.2025	--	--

हकृवि और सीआईआरबी ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 मई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियो ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

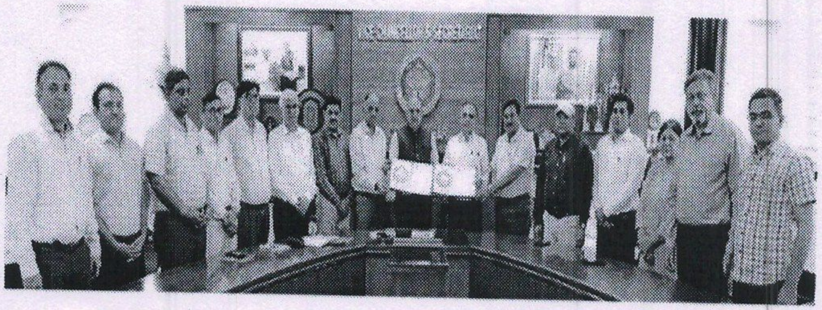

कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया निरंतर जारी है ताकि इसकी अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके तथा समझौतों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके भविष्य में आगे बढ़ सकें। उन्होंने बताया कि हमें वर्तमान वैश्वीक रुझानों के संदर्भ में उभरती कृषि आवश्यकताओं का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने भारतीय कृषि की विविधताओं से उत्पन्न चुनौतियों तथा उनके समाधान के लिए सुनियोजित एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी बल दिया। ज्ञात रहे कि हकृवि के सायना नेहवाल प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान से प्रशिक्षण संबंधी समझौता सीआईआरबी से पहले से है।

केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग तथा केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व रिसर्च एसोसिएट अर्पित तनेजा उपस्थित रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृतधारा	07.05.2025	--	--

हकृवि और सी मजबूतबी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हिसार 7 मई

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय बकरी अनुसंधान केंद्र (सी. आईआरजी) का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र को बढ़ावा देना है। इसके तहत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों और समाज को उपलब्ध कराएंगे। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की उपस्थिति केन्द्रीय बकरी रिसर्च सेंटर से संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हकृवि के मानव संसाधन प्रबंधन के निदेशक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किये। रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किये।

कुलपति प्रो. कंबोज ने समझौते की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस संधि के अंतर्गत दो संस्थानों के शोधार्थी और वैज्ञानिक समूह शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम प्रौद्योगिकी विकास अनुसंधान को गति प्रदान की जा सकती है। बकरी अनुसंधान संस्थान केंद्र के शोधार्थी और वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न समूहों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सामूहिक कार्य होंगे, जिससे प्रदेश और देश के पशुपालकों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश के अंदर और बाहर प्रतिष्ठित अग्रणी अनुसंधान संस्थानों के साथ-साथ सहयोग की प्रक्रिया जारी रखी है ताकि अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा मिल सके और सम्मिलित करने के तहत हम सामूहिक हित के क्षेत्रों की पहचान कर भविष्य में आगे बढ़ें। उन्होंने बताया कि हमें वर्तमान वैश्विक प्रवृत्तियों के संदर्भ में उभरती कृषि आवश्यकताओं का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने भारतीय कृषि की विविधताओं से उत्पन्न अलग और उनके समाधान के लिए आधुनिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी बल दिया। ज्ञात रहे कि हकृवि के सायना नेहवाल प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान से प्रशिक्षण संबंधी समझौता सी.बी.बी. से पहले से है।

केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि कृषि विभाग के अनुसंधानकर्ता और वैज्ञानिक संस्थान बकरी पालन, जन्य पोषण, रोग प्रबंधन और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में आने वाले शोध कार्य में भाग ले सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, विश्वविद्यालय शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डी. के.डी. शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेनु मुंजाल, डॉ. ज्योति सेठी, डॉ. अनुराग और बकरी रिसर्च सेंटर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व एसोसिएट एसोसिएट निकी तनेजा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	07.05.2025	--	--

हकृवि और सीआईआरबी ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

➡ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है।

इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियों और वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश के भीतर और बाहर प्रतिष्ठित शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग की प्रक्रिया निरंतर जारी है ताकि इसकी अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके तथा समझौतों के तहत हम आपसी हित के क्षेत्रों की पहचान करके भविष्य में आगे बढ़ सकें। उन्होंने बताया कि हमें वर्तमान वैश्विक रुझानों के संदर्भ में उभरती कृषि आवश्यकताओं का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने भारतीय कृषि की विविधताओं से उत्पन्न चुनौतियों तथा उनके समाधान के लिए सुनियोजित एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता पर भी बल दिया। ज्ञात रहे कि हकृवि के सायना नेहवाल प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान से प्रशिक्षण संबंधी समझौता सीआईआरबी से पहले से है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.5.25	2	1-2

ब्लैकआउट अभ्यास केवल व्यक्तिगत नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मंगलवार को ऑनलाइन बैठक में विश्वविद्यालय परिसर में ब्लैकआउट से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। इसमें सभी कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक और अधिकारी शामिल हुए। कुलपति ने कहा कि ब्लैकआउट अभ्यास केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और जनजागरूकता के लिए जरूरी है। उन्होंने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को जिला प्रशासन और अन्य एजेंसियों के निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए।

कुलपति ने सुझाव दिया कि एनसीसी और एनएसएस से जुड़े छात्र स्वयंसेवकों को जागरूकता फैलाने और ब्लैकआउट के दौरान प्रशासन की मदद के लिए तैनात किया जाए। इसके लिए इन छात्रों ने महाबीर स्टेडियम में आयोजित अभ्यास सत्र में भाग भी लिया। कुलपति ने विवि परिसर में व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कुलसचिव और अन्य अधिकारियों से फीडबैक लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	8-5-25	4	7-8

दैनिक भास्कर

ज्यादा तापमान होने पर बालू मिट्टी में नहीं करनी चाहिए कपास की बिजाई

शुरुआती अवस्था में जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग न करें

एक्सपर्ट व्यू

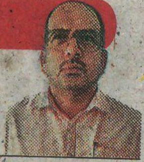

डॉ. करमल सिंह मलिक
अध्यक्ष, कपास अनुभाग, एचएयू, हिसार

प्रदेश में कपास की बिजाई चल रही है। देसी कपास की बिजाई बालू मिट्टी में ज्यादा गर्मी में न करें, क्योंकि तापमान अधिक होने से कपास के जलने की संभावनाएं अधिक हैं। बीज का चुनाव किसान के पास संसाधन, उसकी जमीन व उपलब्ध पानी के आधार पर करें। बीटी कपास सिर्फ बीटी 11 ही उपलब्ध है। बीटी 3 व 4 आदि अगर कोई देता है तो वह सही नहीं है। मिट्टी के अनुरूप बीज का इस्तेमाल करें। जैसे बालू मिट्टी के लिए यूएस 51, राशि 946, टाटा दिग्गज व सामान्य मिट्टी के लिए टाटा दिग्गज, अंकुर 555, अजीत 177-2, 945-2 व अन्य सिफारिश की गई किस्मों का ही बीज लें। शुरुआत में ज्यादा जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग न करें। अधिक जानकारी एचएयू की वेबसाइट www.hau.ac.in पर किसान पोर्टल पर दी गई है। अपने नजदीकी कृषि विभाग के दफ्तर पर भी पता कर सकते हैं।

गुलाबी सुंडी से बचने के लिए खेत से पुरानी लकड़ियां नष्ट कर दें

गुलाबी सुंडी कम करने के लिए खेत से पिछले साल की नरमा की लकड़ियों के टिंडे एवं पत्तों को नष्ट कर दें। इन लकड़ियों में गुलाबी सुंडी रहती है। गुलाबी सुंडी के प्रति बीटी कपास का प्रतिरोधक बीज उपलब्ध नहीं है, इसलिए 3जी, 4 जी और 5 जी के नाम से आने वाले बीजों से सावधान रहें।

बिजाई से पहले पलेवा करें

बिजाई के लिए गहरी पलेवा करें। अगर मशीन से बिजाई करें तो दो पैकेट प्रति एकड़ व अगर खत्तों पर बीजें तो एक पैकेट प्रति एकड़ पर्याप्त है। खुड से खुड की दूरी 1 मीटर व पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर रखें। एक बैग डीएपी, एक बैग यूरिया, 15-20 किलो एमओपी व 10 किलो जिंक सल्फेट 2 प्रतिशत प्रति एकड़ डालकर खेत को तैयार कर बिजाई करें। खरपतवार की रोकथाम के लिए 1.5 लीटर पैंथीमेथालीन का छिड़काव बिजाई के 1 दिन के अंदर करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.05.2025	--	--

करार : हकृवि और भैंस अनुसंधान केन्द्र मिलकर करेंगे शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य

नभ-छोर न्यूज ▶▶| 07-मई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र (सीआईआरबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू का मुख्य उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों को बढ़ावा देना है। इसके अन्तर्गत शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित नवीनतम तकनीक दोनों संस्थान शोधार्थियो ओर वैज्ञानिकों को उपलब्ध करवाएंगे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र से संस्थान निदेशक डॉ. यशपाल एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार ने हस्ताक्षर किए जबकि हकृवि से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. काम्बोज ने समझौता ज्ञापन की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थाओं के शोधार्थी और वैज्ञानिक मिलकर शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नवीनतम तकनीक हेतु शोध कार्यों को गति प्रदान कर सकेंगे। भैंस अनुसंधान संस्थान केन्द्र के शोधार्थी व वैज्ञानिक विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में एक साथ शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे, जिससे प्रदेश एवं देश के पशुपालकों को फायदा होगा। केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि हकृवि के शोधार्थी और वैज्ञानिक संस्थान द्वारा भैंस पालन, प्रजनन पोषण, रोग प्रबंधन तथा जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों में भाग ले सकेंगे। इस अवसर पर ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. डॉ. केडी शर्मा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सैल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अनुराग तथा केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना व रिसर्च एसोसिएट अर्पित तनेजा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	07.05.2025	--	--

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय परिसर में ब्लैकआउट व हर परिस्थिति से निपटने के लिए दिशा निर्देश दिए

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा

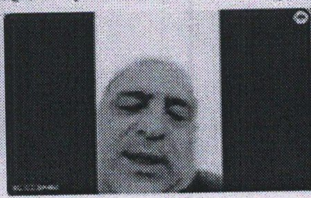

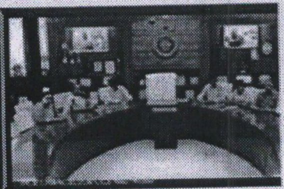

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी आर काम्बोज ने एक ऑनलाइन बैठक के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा ब्लैक आउट के संदर्भ में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक और अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्रों को जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के दिशा-निर्देशों की पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक सुरक्षा के लिए ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की सुरक्षा और जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है उन्होंने कर्मचारियों और उनके परिजनों को भी प्रशासन द्वारा जारी दिशा -निर्देशों की पालना के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अधिकारी हिसार में तैनात सेना के अधिकारियों के साथ भी समन्वय बनाए रखें। उन्होंने सुझाव दिया की एनसीसी और एनएसएस से जुड़े छात्र स्वयंसेवकों को जागरूकता फैलाने तथा ब्लैकआउट के दौरान प्रशासन की सहायता हेतु तैनात किया जाए इसके लिए एनसीसी व एनएसएस के छात्रों ने महावीर स्टेडियम हिसार में आयोजित अभ्यास सत्र में भी भाग लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के अभ्यास निरंतर होते रहने चाहिए और सभी को प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्ध के समय आम जनता को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने से लेकर जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रखने में सिविल डिफेंस की भी अहम भूमिका होती है। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कुलसचिव डॉ पवन कुमार व अन्य अधिकारियों से फीडबैक प्राप्त किया। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं जिसमें लाउडस्पीकर के माध्यम से जागरूकता फैलाना और अधिष्ठाता, निदेशक विभाग अध्यक्षों द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित करना शामिल है। बैठक में बताया गया कि ब्लैकआउट के दौरान परिसर की सभी लाइटें बंद कर दी जाएगी और विश्वविद्यालय के सभी गेट बंद कर दिए जाएंगे। अगर गाड़ी चला रहे हैं तो अपने वाहन को किनारे पर पार्क करके लाइट बंद कर दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	07.05.2025	--	--

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय परिसर में ब्लैकआउट व हर परिस्थिति से निपटने के लिए दिशा निर्देश दिए

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी आर काम्बोज ने एक ऑनलाइन बैठक के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा ब्लैक आउट के संदर्भ में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक और अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्रों को जिला प्रशासन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के दिशा-निर्देशों की पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक सुरक्षा के लिए ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की सुरक्षा और जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कर्मचारियों और उनके परिजनों को भी प्रशासन द्वारा जारी दिशा -निर्देशों की पालना के लिए

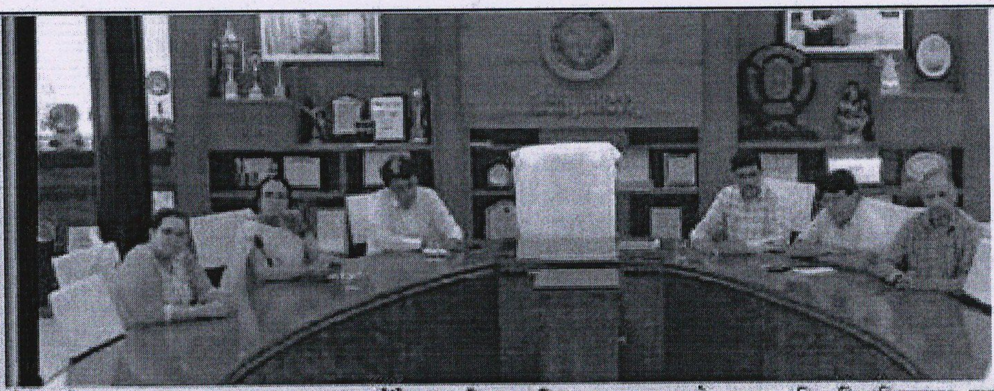

प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अधिकारी हिसार में तैनात सेना के अधिकारियों के साथ भी समन्वय बनाए रखें। उन्होंने सुझाव दिया की एनसीसी और एनएसएस से जुड़े छात्र स्वयंसेवकों को जागरूकता फैलाने तथा ब्लैकआउट के दौरान प्रशासन की सहायता हेतु तैनात किया जाए इसके लिए एनसीसी व एनएसएस के छात्रों ने महावीर स्टेडियम हिसार में आयोजित अभ्यास सत्र में भी भाग लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के अभ्यास निरंतर होते रहने चाहिए और सभी को प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्ध के समय आम जनता को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने से लेकर जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुचारू रखने में सिविल डिफेंस की भी अहम भूमिका होती है।

कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कुलसचिव डॉ पवन कुमार व अन्य अधिकारियों से फीडबैक प्राप्त किया। कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं जिसमें लाउडस्पीकर के माध्यम से जागरूकता फैलाना और अधिष्ठाता, निदेशक विभाग अध्यक्षों द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित करना शामिल है।

बैठक में बताया गया कि ब्लैकआउट के दौरान परिसर की सभी लाइटें बंद कर दी जाएगी और विश्वविद्यालय के सभी गेट बंद कर दिए जाएंगे। अगर गाड़ी चला रहे हैं तो अपने वाहन को किनारे पर पार्क करके लाइट बंद कर दें।